समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

# Blood Falls का राज़ : क्यों दिखता है जैसे बर्फ पिघल रही हो खून की नदी

Publisher

Published on 10 Feb 2026

अंटार्कटिका — पृथ्वी के सबसे ठंडे महाद्वीप अंटार्कटिका में एक अनोखी और भयानक-सी दिखने वाली **प्राकृतिक घटना** है, जिसे वैज्ञानिक और पर्यटक दोनों “**Blood Falls**” यानी *□□□ □□□□ □□□□* कहते हैं। यह जगह **मैकमुर्डो ड्राई वैली** में स्थित है, जहाँ बर्फ के सफ़ेद परिदृश्य के बीच **लाल रंग का पानी झरते हुए** दिखाई देता है — मानो बर्फ पर खून बह रहा हो।

यह दृश्य आकर्षक होने के साथ ही वैज्ञानिकों के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका कारण प्रकृति की जटिल रसायनिक प्रक्रियाओं में छुपा है।

## लाल रंग क्यों दिखाई देता है?

इस झरने के लाल रंग का कारण **लौह-समृद्ध (iron-rich) नमकीन पानी** है, जो बर्फ के नीचे एक प्राचीन झील से निकलता है। इसका स्त्रोत **Taylor Glacier** के नीचे दबा हुआ है, जहाँ यह पानी लाखों वर्षों से बर्फ के नीचे बंद था। जैसे ही यह पानी सतह पर आता है और **ऑक्सीजन के संपर्क मे आता है**, उसमें मौजूद लौह (iron) **oxidize** होकर लाल-भूरा रंग ले लेता है — ठीक वैसे ही जैसे लौह ऑक्साइड से **जंग लगता है**।

वैज्ञानिकों ने पहले सोचा था कि लाल रंग के पीछे *□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□* का प्रभाव हो सकता है, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि रंग का मुख्य कारण **लौह ऑक्साइड की मौजूदगी** है, न कि जीवित शैवाल।

## बर्फ के नीचे छिपा एक अलग जीवन

Blood Falls केवल रंग की वजह से ही दिलचस्प नहीं है, बल्कि इसके नीचे की **एक अलग और कठिन जीवनशैली** भी वैज्ञानिकों को आकर्षित करती है। बर्फ के नीचे स्थित यह पानी बहुत अधिक **नमकीन और ऑक्सीजन-हीन** है, फिर भी वहाँ **सूक्ष्मजीव (microbial life)** मौजूद हैं, जो प्रकाश के बिना जीवित रहते हैं और केमोसिंथेसिस जैसे रसायनिक तरीकों से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

यह खोज हमारे लिए यह भी सोचने का कारण देती है कि **सूर्य के प्रकाश और सामान्य वातावरण के बिना भी जीवन अस्तित्व मे रह सकता है**, जो ब्रह्मांड की अन्य कठोर परिस्थितियों जैसे **मार्स या बर्फीले उपग्रहों (Europa)** पर जीवन की संभावनाओं पर भी सवाल उठाती है।

### वैज्ञानिक और दर्शकों के लिए आकर्षण

Blood Falls का यह दृश्य न केवल इसका **दृश्यात्मक प्रभाव** बनाता है, बल्कि पृथ्वी की उन दुर्लभ प्रक्रियाओं को भी उजागर करता है, जो इंसानी आँखों से सामान्यतः छुपी रहती हैं। यह प्राकृतिक झरना आज भी शोधकर्ताओं के लिए अध्ययन के विषय का केंद्र बना हुआ है, और अंटार्कटिका की खामोश बर्फीली दुनिया में वैज्ञानिकों को नई जानकारी प्रदान करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.